पाठ-8

हिंद देश के निवासी

-विनयचंद्र मौद्गल्य

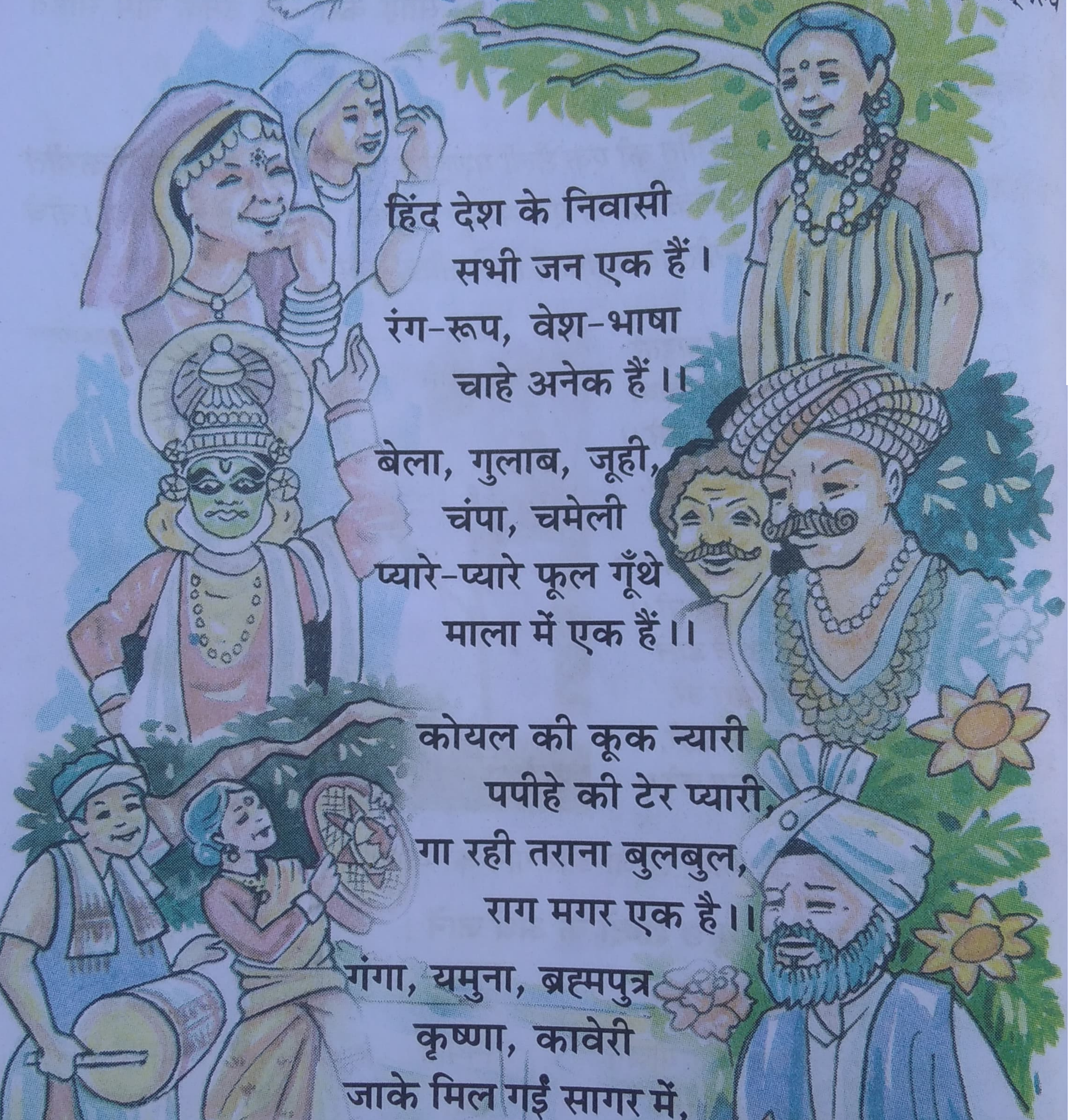

हिंद देश के निवासी
सभी जन एक हैं।
रंग-रूप, वेश-भाषा
चाहे अनेक हैं।।

बेला, गुलाब, जूही,
चंपा, चमेली
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे
माला में एक हैं।।

कोयल की कूक न्यारी
पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल,
राग मगर एक है।।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र
कृष्णा, कावेरी
जाके मिल गईं सागर में,
हुई सब एक हैं।।

अभ्यास-माला

1. आओ, इस गीत को मिलकर गाएँ।
2. गीत के चित्रों को देखो और भारत की किन्हीं पाँच भाषाओं के नाम बताओ।
3. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

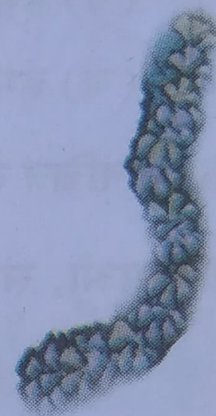

हिंद देश के निवासी
.................................,
रंग-रूप, वेश-भाषा
.... ।।

बेला, गुलाब, जूही
....
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे
.... ।।

4. आओ, सही उच्चारण के साथ कार्ड के शब्दों को पढ़ें :

चंपा | चमेली | वेश-भाषा | यमुना | कावेरी

5. बताओ :
   (क) हमारे देश का नाम।
   (ख) हमारे देश की किन्हीं पाँच प्रमुख नदियों के नाम।
   (ग) असम की किन्हीं पाँच नदियों के नाम।
   (घ) गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र आदि नदियाँ अंत में कहाँ जाकर मिलती हैं ?
6. (क) इन फूलों के नाम बताओ :

(ख) इनके अतिरिक्त कुछ अन्य फूलों के नाम बताओ और लिखो।

....

7. उत्तर लिखो :

(क) हमारी राजभाषा क्या है ? [ ]

(ख) हमारा राष्ट्रीय पक्षी क्या है ? [ ]

(ग) हमारा राष्ट्रीय फूल क्या है ? [ ]

(घ) हमारा राष्ट्रीय प्रतीक क्या है ? [ ]

8. मानचित्र देखकर बताओ कि गंगा भारत के किन प्रदेशों में बहती है।

9. आओ, समूह में बैठकर नाम बताएँ :

हमारे देश के प्रदेशों के नाम	हमारे देश के प्रमुख शहरों के नाम
....	....
....	....
....	....

10. आओ, पढ़ें, समझें और रेखा खींचकर मिलाएँ :

माला	खाना
पानी	गूँथना
भात	पीना
फूल	बहना
नदी	खिलना

11. आओ, नीचे के शब्दों से वाक्य बनाएँ :

भाषा, गुलाब, गंगा, सागर, प्यारा

12. आओ, पढ़ें, समझें और लिखें:

यह **नदी** है।	ये **नदियाँ** हैं।
मैं **लड़की** हूँ।	हम .... हैं।
यहाँ एक **महिला** है।	वहाँ दो .... हैं।
मैं एक **भाषा** जानता हूँ।	वे कई .... जानते हैं।
मैं एक **कविता** पढ़ रहा हूँ।	वे दो ....पढ़ रहे हैं।

13. आओ, आपस में मिलकर एक खेल खेलें :

प्रत्येक विद्यार्थी एक वर्ण से शुरू होने वाले शब्द लिखता जाएगा और शब्द बढ़ते जाएँगेः

ह –	हम	हिंद	हिंदी	हमारा	हिंदुस्तान
क –	....	....	....	....	....
न	....	....	....	....	....
प	....	....	....	....	....

14. निम्नलिखित गीत मुहम्मद इकबाल द्वारा विरचित है। यह एक देशप्रेममूलक गीत है। आओ, इसे मिलकर गाएँ :

सारे जहाँ से अच्छा, हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।
परबत वो सबसे ऊँचा हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं इसकी हजारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्के जिनाँ हमारा।।
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्ताँ हमारा।

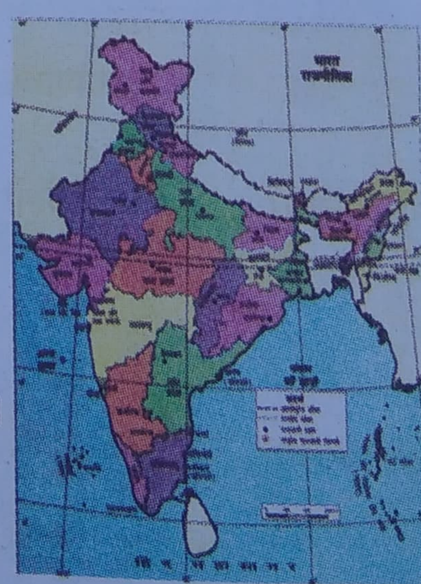

⇒ तुमलोग सुधाकंठ डॉ. भूपेन हाजरिका द्वारा गाए हुए निम्नलिखित गीत का संग्रह करो और विशेष अवसर पर गाने का प्रयास करो :

विस्तार है अपार .... गंगा बहती हो क्यों ?

15. आओ, सुलेख लिखें :

भारतवर्ष में रहने वाले हम सब एक हैं।

....

....

....

16. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

हिंद	=	भारत	टेर	=	पुकार, आवाज
वेश	=	पोशाक	राग	=	सुर
न्यारी	=	निराली, अनोखी	तराना	=	एक तरह का चलता गाना